INTERNATIONAL
PUBLIC RELATIONS CONFERENCE
NEWS BULLETIN
13-15 DECEMBER 2025

PRSI HARMONY
Building Bridges of Trust

TODAY | DAY-1 13 Dec, 2025 | DAY-2 14 Dec, 2025 | DAY-3 15 Dec, 2025

Strategic Role of Public Relations in Empowering Growth, Preserving Roots

Message

Dr. Ajit Pathak
National President
Public Relations Society of India

जनसंपर्क: प्रगति और परंपरा का संतुलन

47वीं ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशन्स कॉन्फ्रेंस में आप सभी का देवभूमि देहरादून में हार्दिक स्वागत और अभिनंदन है। पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया पिछले छह दशकों से अधिक समय से जनसंपर्क और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन को एक पेशे, एक कला और एक सामाजिक दायित्व के रूप में सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्यरत है। जनसंपर्क का मूल उद्देश्य किसी भी संगठन और उसके हितधारकों के बीच विश्वास, संवाद और विश्वसनीयता को मजबूत करना है।आज जब भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य के साथ आत्मनिर्भरता, नवाचार, तकनीकी प्रगति और मानवीय मूल्यों के पथ पर अग्रसर है, तब जनसंपर्क की भूमिका और अधिक व्यापक हो गई है। यह केवल सूचनाओं के संप्रेषण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भावनाओं, संवेदनाओं और राष्ट्रीय चेतना को जोड़ने का सशक्त माध्यम बन चुका है। वर्तमान समय में विकास की गति के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों और मूल्यों को संरक्षित रखना भी उतना ही आवश्यक है। भारत की सभ्यता, परंपरा और सनातन विचारधारा आज विश्व को संतुलन, सहअस्तित्व और मानवीय दृष्टिकोण का मार्ग दिखा रही है। इसी भावभूमि पर आधारित इस वर्ष का सम्मेलन विषय "Empowering Growth, Preserving Roots – The PR Vision for 2047" जनसंपर्क के भविष्य की स्पष्ट दिशा प्रस्तुत करता है।देवभूमि उत्तराखंड की प्राकृतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना के बीच आयोजित यह राष्ट्रीय सम्मेलन संवाद, मंथन और नवाचार का एक सशक्त मंच सिद्ध होगा। इस अवसर पर मैं जनसंपर्क के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सभी साथियों को अग्रिम शुभकामनाएँ देता हूँ। देहरादून पीआरएसआई टीम और आयोजन समिति इस सम्मेलन को सफल और स्मरणीय बनाने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य कर रही है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम सभी मिलकर जनसंपर्क को राष्ट्रीय विकास की यात्रा से जोड़ते हुए भारत के उज्ज्वल भविष्य को नई दिशा और नए आयाम प्रदान करेंगे।

देवभूमि में आज से शुरू होगा जनसंपर्क महाकुंभ

47वें अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन का आयोजन देहरादून में

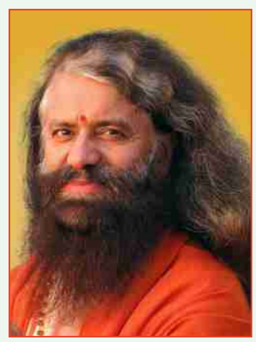

पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया (PRSI) द्वारा आयोजित 47वां अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन इस वर्ष 13–15 दिसंबर 2025 को देहरादून में आयोजित होने जा रहा है। इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन का मुख्य विषय है "Empowering Growth, Preserving Roots – The PR Vision for 2047" | सम्मेलन का उद्देश्य विकसित भारत की यात्रा में जनसंपर्क की रणनीतिक भूमिका को रेखांकित करना है, जहाँ प्रगति और परंपरा—दोनों को समान रूप से महत्व दिया गया है।

इस वर्ष का सम्मेलन जनसंपर्क पेशेवरों, सरकारी व निजी संगठनों के प्रतिनिधियों, मीडिया विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और उद्योग जगत के प्रतिभागियों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। सम्मेलन में सतत विकास, मीडिया की बदलती भूमिका, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, संस्कृति एवं मूल्यों सहित अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों में विशिष्ट वक्ता जनसंपर्क प्रथाओं और वैचारिक नवाचारों पर अपने अनुभव और दृष्टिकोण साझा करेंगे।

उद्घाटन सत्र में प्रमुख वक्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति

47वें अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन–2025 का शुभारंभ 13 दिसंबर 2025 को आयोजित उद्घाटन सत्र के साथ होगा। इस अवसर पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी, राज्य सरकार के मंत्री श्री गणेश जोशी तथा राज्यसभा सांसद श्री नरेश बंसल की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। आध्यात्मिक एवं सामाजिक दृष्टिकोण से सम्मेलन को दिशा प्रदान करने हेतु परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के अध्यक्ष पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज भी उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे।

इसके अतिरिक्त, प्रशासनिक एवं नीति-स्तर के दृष्टिकोण को सशक्त करने के लिए उत्तराखंड सरकार के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा पब्लिक रिलेशन्स सोसाइटी ऑफ इंडिया (PRSI) के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन सत्र के दौरान "Empowering Growth, Preserving Roots – The PR Vision for 2047" विषय पर विचार रखते हुए वक्ता विकसित भारत की परिकल्पना में जनसंपर्क की भूमिका पर प्रकाश डालेंगे।

विविध तकनीकी सत्र और अंतरराष्ट्रीय सहभागिता

तीनों दिनों में कई महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें–

- विकसित भारत @2047 में पब्लिक रिलेशन्स की भूमिका,
- कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन,
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं साइबर क्राइम,

- डिजिटल मीडिया पारिस्थितिकी,
- सतत विकास और कम्युनिकेशन, जैसे प्रमुख विषय शामिल हैं।

साथ ही इंडो–रशियन पब्लिक रिलेशन्स एंड मीडिया फोरम जैसे विशेष अंतरराष्ट्रीय सत्र इस सम्मेलन को वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान करेंगे, जिसमें भारत–रूस के बीच संचार रणनीतियों और डिजिटल परिदृश्य पर विचार-विमर्श होगा।

पुरस्कार समारोह और विशेष आकर्षण

सम्मेलन के दौरान विभिन्न श्रेणियों में PRSI National Awards, Leadership Awards, Excellence Awards तथा अन्य सम्मान प्रदान किए जाएंगे। साथ ही पुस्तक विमोचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और इंटरैक्टिव फोरम भी आयोजन का हिस्सा होंगे, जो प्रतिभागियों को सीखने और नेटवर्किंग के अनूठे अवसर प्रदान करेंगे।

2025 का सम्मेलन क्यों विशेष है?

यह सम्मेलन “विकसित भारत 2047” के परिप्रेक्ष्य में जनसंपर्क की भूमिका को नए सिरे से परिभाषित करने का प्रयास है। आयोजन स्थल देहरादून का प्राकृतिक और सांस्कृतिक वातावरण इस सम्मेलन को और भी प्रेरणादायक बनाता है। सम्मेलन कार्यक्रम होटल एमराल्ड, सहस्त्रधारा रोड पर आयोजित होगा, जिसमें देशभर से बड़ी संख्या में जनसंपर्क एवं संचार पेशेवरों के शामिल होने की अपेक्षा है।

पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई)

पीआरएसआई की स्थापना 1958 में हुई थी और यह देश के पीआर पेशेवरों का एक प्रमुख राष्ट्रीय संगठन है। इसका उद्देश्य नैतिकता और व्यावसायिकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए जनसंपर्क को एक रणनीतिक प्रबंधन कार्य के रूप में बढ़ावा देना है। पहला अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन 21 अप्रैल, 1968 को दिल्ली में आयोजित हुआ था, जिसने भारत में पेशेवर जनसंपर्क प्रथाओं को एक नई दिशा दी।

तब से लेकर अब तक पीआरएसआई ने 46 राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया है, जिनमें 9वीं पीआर वर्ल्ड कांग्रेस (बॉम्बे, 1982), पहली एशिया प्रशांत पीआर मीट (कोलकाता, 1998) और अंतरराष्ट्रीय जनसंपर्क सम्मेलन (बैंगलोर, 2002) जैसे कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम शामिल हैं। हाल ही में 2024 में रायपुर में 46वें राष्ट्रीय पीआर सम्मेलन का आयोजन किया गया।

पीआरएसआई के पास 23 क्षेत्रीय अध्यायों का नेटवर्क है, जिसमें 500 से अधिक सक्रिय सदस्य हैं। इसके सदस्य बहुराष्ट्रीय कंपनियों, सरकारी और निजी संगठनों, शिक्षाविदों और पीआर सलाहकारों से जुड़े हैं।

पीआरएसआई का गौरवशाली इतिहास

केंद्र में रहकर की गई विस्फोट की गूंज परिधि तक देर-सबेर पहुँच ही जाती है। कुछ वैसे ही जैसे शांत तालाब में कंकर फेंकने पर उठी तरंगें किनारों तक पहुँच ही जाती हैं। बात हो रही है पीआरएसआई के इतिहास की। यह इतिहास किसी को गिराने या उठाने का नहीं है, न ही किसी सत्ता-साजिश का। यह इतिहास है अपने अस्तित्व की उपयोगिता को स्थापित करने का।

स्थान था–दिल्ली। वक्त था–21 अप्रैल 1968। व्यक्ति थे–काली एच. मोदी। उन्होंने ही पीआरएसआई का पहला अखिल भारतीय स्तर का जनसंपर्क सम्मेलन आयोजित किया था। इसकी तैयारी वर्षों से चल रही थी। साठ के दशक का वह समय संघर्षों से भरा था, पर यह संघर्ष सत्ता पाने के लिए नहीं, बल्कि सत्ता को यह समझाने के लिए था कि जनसंपर्क एक अत्यंत महत्वपूर्ण पेशेवर कार्य है। जनसंपर्क पेशेवरों की भूमिका को मान्यता दिलाना ही पीआरएसआई का मूल उद्देश्य रहा है।

समय रहते पीआरएसआई ने सम्मेलन, संवाद और मीडिया-जनसंपर्क के माध्यम से ऐसा सशक्त सेतु बनाया कि इसके सदस्यों की संख्या निरंतर बढ़ती चली गई। आज की स्थिति यह है कि लोग गर्व के साथ कहते हैं– “मैं पीआरएसआई का सक्रिय सदस्य हूँ।”

इस समिति के सदस्य बहुराष्ट्रीय कंपनियों, सरकारी-सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के जनसंपर्क पेशेवरों, शिक्षाविदों और पीआर सलाहकारों से जुड़े हुए हैं। इसकी सदस्यता लेना सरल भी है और चुनौतीपूर्ण भी। सरल इसलिए कि कोई भी योग्य व्यक्ति सदस्य बन सकता है, और चुनौतीपूर्ण इसलिए कि पीआरएसआई द्वारा निर्धारित मानकों और नियमों का पालन अनिवार्य है। यहाँ किसी भी प्रकार का बैक-डोर एंट्री संभव नहीं है।

पीआरएसआई की सदस्यता को पाँच श्रेणियों में विभाजित किया गया है–

सदस्य, आजीवन सदस्य, सहयोगी सदस्य, मानद सदस्य और छात्र सदस्य। किसी भी स्तर पर रहते हुए व्यक्ति पीआरएसआई से जुड़ सकता है, परंतु उसकी सक्रियता और प्रतिबद्धता ही सदस्यता का आधार होती है।

दिल्ली से शुरू हुई यह अखिल भारतीय यात्रा समय के साथ देश के कोने-कोने तक पहुँची–उत्तर में कश्मीर से दक्षिण में कन्याकुमारी तक, पूर्व में कामारव्या से पश्चिम में कच्छ तक। इस गौरवशाली यात्रा में कई ऐतिहासिक पड़ाव जुड़े–

1982 में मुंबई में आयोजित नौवीं पीआर वर्ल्ड कांग्रेस,

1998 में एशिया-प्रशांत जनसंपर्क बैठक,

और 2002 में बेंगलुरु में आयोजित अंतरराष्ट्रीय जनसंपर्क सम्मेलन।

इन आयोजनों ने भारतीय जनसंपर्क को वैश्विक पहचान दिलाई।

इन सम्मेलनों की सफलता ने न केवल पीआर पेशे को नई दिशा दी, बल्कि सरकार और प्रशासनिक तंत्र को यह स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया कि किसी भी नीति, कार्यक्रम या आयोजन की सफलता में जनसंपर्क की भूमिका केंद्रीय होती है। यही कारण है कि आज पीआरएसआई के आयोजनों से जुड़ना अपने-आप में गौरव का विषय बन चुका है।

पीआरएसआई हर वर्ष एक विशेष थीम के माध्यम से देश की समकालीन आवश्यकताओं और चुनौतियों पर केंद्रित संवाद को आगे बढ़ाता है। अब तक देश के विभिन्न भागों में अनेक राष्ट्रीय सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं।

2025 में आयोजित 47वां अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन इसी परंपरा की अगली कड़ी है।

इस वर्ष यह राष्ट्रीय जनसंपर्क महाकुंभ देवभूमि उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन का विषय है– “Empowering Growth, Preserving Roots – The PR Vision for 2047”।

यह विषय विकास और परंपरा के संतुलन, आधुनिकता और सांस्कृतिक मूल्यों के सहअस्तित्व को सशक्त रूप से प्रस्तुत करता है।

बड़ी संख्या में देशभर से जनसंपर्क, मीडिया और संचार जगत से जुड़े लोगों की सहभागिता इस सम्मेलन को विशेष बना रही है। आयोजन अभी शेष है, किंतु इसकी सफलता के संकेत पहले से ही स्पष्ट हैं।

निस्संदेह, 47वां अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन पीआरएसआई के गौरवशाली इतिहास में एक नई और विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा।

PRSI
Public Relations Society of India

Message

Natasa Pavlovic Bujas
President

70 years ipra
Leading trust and ethics in global communication

Message from the President of the International Public Relations Association (IPRA) For the 47th All India Public Relations Conference 2025: "Empowering Growth, Preserving Roots"

Dear Colleagues and Friends of the Public Relations Society of India,

It is my great pleasure and honour, on behalf of the International Public Relations Association (IPRA), to extend warm greetings to all participants of the 47th All India Public Relations Conference 2025. This prestigious gathering stands as a powerful testament to India's enduring contribution to the global communication landscape.

IPRA deeply values its collaboration with the Public Relations Society of India (PRSI) - a partnership rooted in shared values of ethical communication, social responsibility, and professional excellence. Together, we continue to advance a vision of public relations that not only informs and inspires but also builds trust and understanding across borders.

The conference theme, "Empowering Growth, Preserving Roots" captures a universal truth: sustainable progress must be anchored in authenticity, cultural identity, and respect for legacy. In the age of artificial intelligence and rapid transformation, communicators carry a vital role in balancing innovation with tradition. India's vibrant heritage and dynamic growth remind the world that true development is not just economic - it is moral, social, and human.

Public relations has the power to preserve the legacy of Bharat, by ensuring that growth is guided by values and that stories of progress remain connected to their origins. It is through communication that a nation's achievements are shared with the world, and its wisdom passed on to future generations.

As IPRA celebrates its 70th anniversary, we are proud to stand alongside PRSI in reaffirming that ethical, inclusive, and purposeful communication is the cornerstone of peace, prosperity, and cultural continuity.

I extend my heartfelt congratulations to PRSI's leadership and to every professional who contributes daily to building bridges of understanding - within India and beyond. May this conference inspire dialogue, strengthen partnerships, and reaffirm our shared commitment to communication that empowers growth while preserving the roots that define us.

With admiration and warm regards,

Nataša Pavlović Bujas
President 2024-2025
International Public Relations Association (IPRA)

SCHEDULE | Day 2 (15 Dec 2025)

Conference Session Inauguration: (10:00 -11:30)

Hon'ble Speaker
Smt. Ritu Khanduri Bhushan
Uttarakhand Legislative Assembly, Dehradun

Guest of Honour
Shri. Naresh Banwsal
Hon'ble Member of Legislative Parliament (Rajya Sabha)

Guest of Honour
Dr. Ajit Pathak
National President, PRSI

Guest of Honour
Shri Sandeep Gupta
CMD, GAIL India Ltd. New Delhi

Session I (12:00 PM -1:30 PM)

25 Years of Uttarakhand and the Journey Ahead

Keynote Speaker
Shri Anand Vardhan
Chief Secretary of Uttarakhand, Dehradun

Dr. B.V.R.C Purushottam, IAS
Chief Electoral Officer, & Dairy Development, Govt. of Uttarakhan

Prof. Durgesh Pant
DG, UCOST, Uttarakhand

Panelists

Shri R. Meenakshi Sundaram, IAS
Principal Secretary(Energy), Uttarakhand

Dr. R Rajesh Kumar, IAS
Secretary, Dept.. of Health, Uttarakhand

Dr. Vijay Kumar Jogdande, IAS
Secretary, PWD, Govt. of Uttarakhand

Shri Banshidhar Tiwari, IAS
DG, DIPR, Uttarakhand

Session II (2:30 PM -3:30 PM)

Role of Public Relation and Media for Viksit Bharat@2047

Session Chair
Ms M S Mazumdar
National Vice President East, PRSI

Shri Anupam Tiwari
Editor, News 18 TV, Dehradun

Dr. Nitin Upadhay
Joint Director, DIPR, Uttarakhand Govt.

Dr. Himanshu Shekhar
Senior Editor, NDTV New Delhi

Dr. Surbhi Dahiya
Professor, IIMC, New Delhi

Session III (3:30 PM -4:30 PM)

Impact of Technology on Public Relations

Mrs. B. Sumidaa Devi, IRS
Commissioner of Customs, Nhava Sheva General, Raigarh, Navi Mumbai

Positive Impact of GST on the Economic Prosperity of India

Session Chair :
Mr. S. P. Singh
National Vice President (West), PRSI

Printing Industry: Way Forward

Major Atul Dev
Founder, Indian Institute of Public Relations and Star Army Officer, Gurgaon

Shri C. Ravinder Reddy
National President, All India Federation of Master Printers, Hyderabad

Session IV (5:00 PM -6:00 PM)

Indo Russian Public Relations and Media Forum

The Role of Communications in the Development of Russian–Indian Business

Session Chair
Prof. Charulata Singh
Dean, VIPS, New Delhi

The PR & Digital Communication Landscape in Russia

Ms. Davydenko Yuliya
International Project Manager Digital-Agency "Interium", Russia

Consumer Shopping Behaviour in Russia's Digital Landscape

Mr. Michael Maslov
Deputy Chairman and Former Chairman of AKOS General Director and Partner / Co-Founder Maslov Agency,

Digital-Agency "Interium", Russiaav

Ms. Anna Talanina
Deputy Head of the AKOS Committee on International Relations Head of International Department

Plenary Session and Awards Ceremony (6pm - 7pm)

Chief Guest
Dr. Ramesh Pokhriyal 'Nishank'
Former Chief Minister, Uttarakhand

Guest of Honour
Dr. Rajendra Dobhal
VC, SRHU, Uttarakhand

Cultural Programme/ Dinner
7:30pm - 9:30pm

AWARDS | List of awardees

House Journal (Hindi)

First	NMDC Limited, Hyderabad
Second	IndianOil Corporation Limited, Marketing Division HO, Mumbai Hindustan Petroleum Corporation Limited, Mumbai
Third	NTPC Limited, Singrauli NTPC Limited, Kanti (Bihar)

Newsletter (English)

First	ITC Limited, Kolkata
Second	Coromandel International Limited, Corporate Office, Chennai Sankar Foundation, Visakhapatnam
Third	India Exim Bank, Mumbai

Newsletter (Hindi)

First	KRIBHCO, Noida
Second	Indian Oil Corporation Ltd, Marketing Division (Western Region), Mumbai
Third	Hindalco Industries Ltd, Renukoot NTPC Ltd, Unchahar

E - Newsletter

First	NLC India Limited, Neyveli
Second	Indian Oil Corporation Ltd., Corporate Office, New Delhi Steel Authority of India Limited, New Delhi NTPC, Meja (Uttar Pradesh)
Third	IIM, Andhra Pradesh IndianOil Corporation Ltd., Paradip Refinery NTPC Ltd., Jhanor (Urjanagar)

House Journal (English)

First	NCC Limited, Hyderabad
Second	IndianOil Corporation Ltd, Marketing HO, Mumbai Krishak Bharati Cooperative Limited (KRIBHCO), Noida
Third	REC Limited, New Delhi Canara Bank, Bengaluru

Special Prestige Publication

First	Indian Oil Corporation Ltd., Barauni Refinery Bank of Baroda BHEL, Bhopal
Second	IndianOil Corporation Ltd., Panipat Refinery National Council of Science Museums Indian Oil Corporation Ltd., Refineries Headquarters
Third	Chhattisgarh State Power Distribution Company Ltd.

Coffee Table Book

First	ITC Limited NTPC Limited
Second	IndianOil Corporation Ltd., Refineries Headquarters IndianOil Corporation Ltd., Mathura Refinery
Third	HPCL Ltd., Mumbai

Annual Report

First	NMDC Limited Mangalore Refinery and Petrochemicals Limited
Second	Mangalore Refinery and Petrochemicals Limited (for Annual Report Group I) SJVN Limited NDC Data Services
Third	NLC Limited, Neyveli

Sustainable Development Report

First	AAVISHKAR GAIL (India) Ltd. (Business Responsibility Report) ITC Limited THDC India Ltd. Steel Authority of India Ltd., New Delhi
Second	Steel Authority of India Ltd., New Delhi

PRSI Leadership Awards 2025

Shri Govind Pareek
Public Relations Advisor to the Chief Minister of Rajasthan, Jaipur

Dr Himanshu Shekhar
Senior Editor, NDTV, New Delhi

Major Atul Dev
Founder, Indian Institute of Public Relations and Star Army Officer, New Delhi

Shri Pushpendra Pal Singh Mass Communication and PR Teacher of the year award-2025

Prof. Surbhi Dahiya
Indian Institute of Mass Communication
New Delhi

PRSI National Awards 2025 Proud Honour!

For the Strengthening Social Thread Through Public Relations
Shri Anil Jajodia
Motivator, Social Entrepreneur, Business Consultant, Trainer & public Relations Practitioner.
Chairman, Varansi Chapter

For the Excellence in Government Communication
Shri Ravi Bijarniya
Dy Director, Information and Public Relations, Govt of Uttrakhand, Chairman, PRSI Dehradun Chapter

For the Praiseworthy Contributions to Media Education
Prof. Kulveen Trehan
Guru Gobind Singh Indraprastha University, Delhi

For the Using magic as a medium for mass communication and PR
Shri. Venu Samala
MD and CEO Samvad Public and International Magician, Hyderabad

For the Excellence in Editorial Leadership
Dr. Archana Kumari
Editor, PRSI Harmony
Secretary , PRSI Delhi Chapter
Associate Professor, JNU, New Delhi

DAY-1 SCHEDULE
13th December 2025

Inauguration / Awards Function
03:30 PM onwards

Chief Guest
Shri Pushkar Singh Dhami
Hon'ble Chief Minister
Govt. of Uttarakhand

Guest of Honour
Shri Ganesh Joshi
Hon'ble Minister of
Govt. of Uttarakhand

Guest of Honour
Shri Naresh Bansal
Hon'ble Member of Parliament
(Rajya Sabha)

Guest of Honour
Pujya Swami Chidanand Saraswati Ji Maharaj
President, Parmarth Niketan, Rishikesh

Guest of Honour
Sh. Bansi Dhar Tiwari, IAS
Addl. Secy. to the CM of Uttarakhand, Vice Chairman, MDDA, and DG of Information, Govt of Uttarakhand

Guest of Honour
Mr Mikhail Maslov
The Association of Consultants Companies in PR (AKOS), Russia

Strategic Role of Public Relations in Empowering Growth, Preserving Roots

Dr.P.Harsha Bhargavi
Assistant Director,
Telangana State Information Center, New Delhi

In a rapidly globalising world driven by information, technology, speed, and disruption, the central challenge facing societies today is meaningful growth anchored in identity. True empowerment arises from the conscious integration of heritage with future-facing innovation rather than abandoning roots in favour of modernity. In this context, Public Relations (PR) has evolved far beyond media management and reputation control. It has become a strategic instrument for nation-building, cultural continuity, social cohesion, and sustainable development.

Empowerment as a Narrative, Not a Campaign

Growth, when viewed through a development lens, is often reduced to indicators such as GDP, infrastructure, employment, and market expansion. However, empowerment is fundamentally a narrative construct. It shapes how individuals perceive their agency, how communities understand their worth, and how nations articulate their civilisational values. Public Relations plays a critical role in designing this narrative architecture.

Unlike advertising, which sells products, PR builds trust ecosystems. It positions ideas, movements, and identities in public consciousness. When PR frameworks are strategically applied to education, youth engagement, women-led initiatives, Janjati (tribal) livelihoods, and cultural entrepreneurship, they transform passive audiences into active stakeholders. Empowerment, therefore, becomes a participatory process, not a top-down intervention.

Preserving Roots as a Contemporary Imperative

"Preserving roots" is often misunderstood as nostalgia or resistance to change. In reality, it is a strategic alignment with civilisational intelligence. Indigenous knowledge systems, oral traditions, seasonal wisdom, artisanal practices, community rituals, and spiritual ecology represent time-tested models of sustainability and resilience. These are not relics of the past; they are solutions for the future.

Public Relations functions as the bridge between these rooted traditions and the modern knowledge economy. Through storytelling, advocacy campaigns, immersive digital experiences, and stakeholder dialogues, PR ensures that heritage is not fossilised in museums but activated in contemporary life.

In Bharat's context, initiatives around Panchagavya-based livelihoods, experiential cow tourism, rural creative enterprises, and tribal festival economies demonstrate how traditional knowledge can be repositioned as high-value cultural capital. Strategic PR ensures that these efforts are framed not as "alternative lifestyles" but as scalable models of regenerative development.

Shift from Information to Influence

Modern PR is more than press releases and event management; it is about influence architecture. It shapes perception, frames discourse, and catalyses behavioural change. When applied to culturally rooted development, PR becomes a tool of soft power.

For instance, campaigns that highlight the scientific basis of traditional practices, the economic viability of heritage enterprises, and the ethical dimensions of community living subtly recalibrate public opinion. They replace the colonial mindset of "backwardness" with confidence in indigenous competence. This reframing is critical for youth, who are often caught between global aesthetics and local identities.

By positioning roots as relevant, aspirational, and economically viable, PR creates a new aspirational vocabulary for growth.

Youth, Digital Ecosystems, and Cultural Continuity

The Gen Z and Gen Alpha cohorts do not reject tradition; they reject irrelevance. Their participation depends on how effectively cultural narratives are translated into digital-native formats. Public Relations now operates at the intersection of culture and technology.

Strategic PR uses podcasts, short-form video, immersive storytelling, gamification, AR/VR heritage experiences, and metaverse-based cultural spaces to create experiential proximity to tradition. This is not token representation; it is immersive re-education. It allows young people to experience their roots as living systems rather than static doctrines.

In doing so, PR becomes an educational force multiplier, reinforcing identity while unlocking innovation.

Women, Communities, and Decentralised Leadership

Empowering growth is incomplete without decentralising ownership. Women-led SHGs, tribal collectives, artisan clusters, and village-based enterprises require more than financial support; they require narrative legitimacy. PR provides that legitimacy.

By showcasing success stories, creating role models, generating visibility in mainstream discourse, and directly engaging policymakers and markets, PR helps grassroots leadership gain institutional credibility. This shift from invisibility to recognition is itself a form of empowerment.

When local voices are amplified through structured communication strategies, preserving roots becomes a matter of pride, not compulsion.

PR as Cultural Infrastructure

Traditionally, infrastructure is seen as roads, bridges, and digital networks. Today, PR must be recognised as cultural infrastructure. It constructs the communicative highways through which values, aspirations, and identities travel.

A society without strategic communication loses control of its own story. External narratives dominate, stereotypes proliferate, and self-worth diminishes. Conversely, a robust PR ecosystem aligned with civilisational values safeguards narrative sovereignty.

This is particularly critical in the context of redefining "myth" as living history, repositioning indigenous science, and validating non-Western epistemologies within global discourse.

Strategic Communication for Civilisational Sustainability

Empowering growth and preserving roots are not contradictory objectives; they are mutually reinforcing. Growth without roots produces alienation. Roots without growth produce stagnation. The strategic role of Public Relations is to harmonise this duality, ensuring that development is both progressive and grounded.

PR, when deployed ethically and vision-driven, becomes a civilisational tool. It connects past wisdom with future aspirations, communities with markets, tradition with technology, and identity with innovation. In doing so, it does not merely manage perception; it shapes destiny.

The future belongs to societies that can tell their own stories with clarity, confidence, and cultural integrity. Public Relations is the strategic discipline that makes this possible.

PRSI

47th All India Public Relations Conference
13 - 15 December, 2025. Dehradun

उत्तराखण्ड राज्य

इंडियनऑयल
IndianOil

MAHAGENCO
Maharashtra State Power Generation Co. Ltd.

NLC INDIA
CREATING WEALTH FOR WELLBEING

एनएमडीसी
NMDC

एनटीपीसी NTPC

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

कोल इण्डिया Coal India

ITC
Enduring Value

Coromandel
FUTURE POSITIVE

कोल इण्डिया Coal India
MCL

कोल इण्डिया Coal India
वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
WCL
एक मिनीरत्न कंपनी

मॉयल
MOIL
MOIL LTD.

MALL CONSTRUCTIONS PVT. LTD.
ENGINEERS & CONTRACTORS